Str. 719, 63. Die Scholien: धो॰ बुद्धिसन्हाया प्रिप

Str. 720, 66. Calc. Ausg. महामात्र: 1 — Die Scholien: प्र॰ म्रा-विष्टलिङ्गा प्यम्

Str. 721, 69. Die Scholien: द्वाःस्यद्वाःस्यिताविष। — 70. Dieselben: वेत्रधरा प्रष।

Str. 722, 71. Calc. Ausg. रिनवर्गी, die Scholien wie wir.

Str. 723, 75. Calc. Ausg. भद्रांकार्:, die Scholien wie wir. — 76. Schol. व्हिर्गिये निपृक्ती निरुक्ताद्विरायक इत्यन्ये। — 77. Schol. रङ्कपति-रिप

Str. 724, 78. Die Scholien: स्थानस्य पञ्चाना दृशाना वा ग्रामाणा र्चानुयक्ता प्रथवः स्थाः।

Str. 726, 87. Calc. Ausg. म्रतः पराध्यद्धानर्वशिका॰, Schol. वंश-स्यानर्त्तर्वशं कुलिस्त्रियः। ताः सत्यस्य म्रतंविशिकः। म्रतविशिका । प्रतिविशिका । म्रतविशिका । म्रतविशिका । म्रतविशिका । म्रतिविशिका । म्रतिविशिका

Str. 727, 88. Schol. एते एकपुरुषपरिगृङ्गीते स्त्रीसमुद्दाये वर्तते । त-

Str. 728, 90. Calc. Ausg. पार्छ, D. शार्छ। — 92. Calc. Ausg. भियात्पर्शः, Schol. म्रभिमुखं पातीत्पभियातिः। इयर्त्परिः।

Str. 729, 94. Calc. Ausg. परे पन्यक । — Schol. म्रस्ट्रिप।

Str. 730, 97. Calc. Ausg. साखा। — Schol. सङ्घोषा ऽपि।

Str. 731, 99. Calc. Ausg. °तर्र्धाणि, Schol. न तीर्यतीत्पत्रर्थम् स-वापि । — 1. Calc. Ausg. ग्राप्रच्छनं, die Scholien: ग्राप्च्छनम्

Str. 733, 7. Calc. Ausg. D. E. देशिका, die Scholien wie wir.

— 8. Schol. मित्रं वेत्ति मित्रविद् (st. मत्त्रविद्)